SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

KUMARI SELJA (Haryana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI NARAIN DASS GUPTA (NCT of Delhi): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need to develop Kumhrar as a national heritage

श्री राकेश सिन्हा (नाम निर्देशित): सभापति महोदय, सम्राट अशोक के समय में जो तृतीय बुद्धिस्ट काउंसिल हुई थी, वह पटना के कुम्हरार में हुई थी, जिसे हम धम्म सभा के रूप में जानते हैं। 1895 में Shri L.A. Waddell ने पहली बार वहां excavation किया था। दूसरी बार excavation का कार्य Shri David Spooner ने 1912-13 में किया और तीसरी बार Shri K.P. Jailwal ने, जो भारत के अच्छे इतिहासकार भी रहे हैं, 1951-55 में excavation किया। यदि इनके द्वारा यहां excavation न होता, तो किसी भी तरह कुम्हरार नामक इस ऐतिहासिक स्थान की ऐतिहासिकता जाहिर न हो पाती, जो पटना रेलवे स्टेशन से मात्र पांच किलोमीटर दूर है। कुम्हरार में हुई धम्म सभा का महत्व इसलिए भी है, क्योंकि इससे पहले हुई दो बुद्धिस्ट धम्म सभाओं से यह अलग था। इस धम्म सभा में 1,000 monks आए थे और इसी धम्म सभा में निग्रोध के द्वारा अशोक को दीक्षा प्राप्त हुई थी, जिसके बाद अशोक ने दुनिया भर में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने भिक्षुओं को भेजा था। इसके संबंध में दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस धम्म सभा में अशोक ने, गवर्नेंस और धर्म की आड़ में वहां जो भ्रष्ट एलिमेंट्स आए हुए थे, उनको निष्कासित करने का काम किया था।

महोदय, मैं इस सभा और आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि कुम्हरार में, जहां किसी समय में इतनी विशाल धम्म सभा हुई, वहां एक अच्छी लाइब्रेरी का निर्माण करवाया जाए। यहां पर 80 पिलर्स का एक Assembly hall भी पाया गया है, जो इतना बड़ा था कि उसमें पिलर्स के अलावा कुछ भी नही था। बौद्ध धर्म के इतिहास में तीन विशाल धम्म सभाएं हुई थी, पहली राजगीर में, दूसरी वैशाली में और तीसरी कुम्हरार में। इन तीनों धम्म सभाओं को जोड़ कर देखते हुए, पटना के कुम्हरार नामक स्थान पर एक लाइब्रेरी और एक म्युज़ियम विकसित किया जाए। इसके साथ उसे एक पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। अपनी इसी मांग के साथ, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मेरी यह बात सरकार तक पहुंचे और इस पर अविलम्ब कार्यवाही की जाए।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): सर, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

†**محترمہ کہکشاں پروین (بہار):** سر، میں بھی مانیئے سدسئیے کے ذریعے اٹھائے گئے موضوع سے خود کو سمبدّ کرتی ہوں۔

श्री आर.के. सिन्हा (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI SAMBHAJI CHHATRAPATI (Nominated): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

श्री गोपाल नारायण सिंह (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI MAHESH PODDAR (Jharkhand): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. RAGHUNATH MOHAPATRA (Nominated): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Shri N. Gokulakrishnan; not present. Shri Ajay Pratap Singh.

Railway facilities in Singrauli District, Madhya Pradesh

श्री अजय प्रताप सिंह (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का

†Transliteration in Urdu Script.